गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
अ.प्रा. राजपत्रित अधिकारी
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की-247667 (उत्तराखण्ड)
मोबाइल : 09760111555

कष्टकारी ग्रह की शान्ति कैसे करें

लाल किताब के अनुसार बनी पत्री में तलाशें कि कौन सा ग्रह कष्ट दे रहा है। उसके अनुसार आप उस ग्रह की शांति का उपाय कर लें। यदि आपको अपनी जन्म पत्रिका का ठीक-ठीक पता नहीं है तो भी आप निम्न प्रयोग एक सप्ताह अवश्य करके देखें। यदि आपको आभास होता है कि अमुक दिन आपके लिए विशेष रुप से कष्टकारी सिद्ध होता है तो उस दिन के सम्बन्धित ग्रह का टोटका आप 40 से 43 दिनों तक नित्य करें। यह प्रयोग आपका आर्थिक पक्ष सबल करेगा। लाल किताब के टोटकों में 'चलते पानी में बहना' प्रायः प्रयोग करवाया जाता है। इसके पीछे भाव यही होता है कि आपके सारे कष्ट कोई अज्ञात शक्ति पानी में बहाकर आपसे दूर ले जा रही है।

सूर्य - रविवार का प्रतिनिधि ग्रह सूर्य है। इस दिन थोड़ा-सा गुड़ तथा तांबा क्रय करके पानी में बहा दें। उपाय करते समय भाव यही रखें कि आपके कष्ट, दारिद्रय पानी में बह

रहे हैं। लाल किताब के टोटके सूर्य अस्त होने से पूर्व किए जाते हैं - यह भी ध्यान रखें।

चन्द्रमा - सोमवार का प्रतिनिधि ग्रह चन्द्रमा है। रविवार की रात्रि में कच्चे दूध अथवा जल मिश्रित कच्चे दूध में थोड़े से जौ कटोरी में लेकर अपने सिरहाने रख लें। प्रातः काल उठते ही यह निःशब्द कीकर अथवा पीपल के वृक्ष की जड़ में छोड़ दें। मेरा सौभाग्य है कि मैं गंग नहर के किनारे रहता हूँ। पानी का यहाँ कोई अकाल नहीं है। इसलिए मैं यह बहते जल में ही छुड़वाता हूँ।

मंगल - मंगलवार का ग्रह मंगल है। इस दिन गुड़ की रेवड़ीयाँ लेकर जल में प्रवाहित कर दें और निःशब्द घर लौट आएं।

बुध - बुधवार का ग्रह बुध है। इस दिन आप एक तांबे का सिक्का लें। सिक्का सुलभ न हो सिक्के के आकार का टुकड़ा तांबे की सीट में से कटवाकर उसके मध्य एक छेद कर लें और इसको बहते हुए पानी में छोड़ दें। धनदायक लेखों तथा पुस्तकों में मैंने ऋण से मुक्ति के लिए एक पीली कौड़ी को यत्न से जलाकर बहते पानी में छोड़ने वाली बात लिखी थी। यह उपाय बहुत प्रभावशाली सिद्ध हुआ है। हाँ, कौड़ी को जलाकर राख बनाने में यत्न बहुत करना पड़ता है।

बृहस्पति- बुधवार के दिन घर के प्रत्येक सदस्य से एक-एक सिक्का जमा करके रख लें। बृहस्पतिवार को प्रातः उठकर यह कहीं धर्म स्थल में दानकर दें और किसी सघन पीपल के वृक्ष में चना, हल्दी, केसर तथा कोई पीली दाल चढ़ा कर वृक्ष को जल से सींच दें और निःशब्द घर लौट आएं।

शुक्र - लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए इस दिन अपने खाने के अंश में से कुछ कौवों को खिलाना तथा गायों को चारा डालना बहुत लाभदायक सिद्ध होता है।

शनि – शनिवार के दिन मछलियों को आटे की गोलियां बना कर खिलाएं इससे आपका भाग्योदय होगा। यदि मछलियॉ न मिल पाएं तो बहते जल में स्प्रिट अथवा शराब छोड़कर उसको बहता हुआ देखें।

इस प्रकार सात दिनों के एक सप्ताह में आपके सात ग्रहों की पीड़ा शान्ति के उपक्रम पूर्ण हो जाएंगे। राहु-केतु क्योंकि छाया ग्रह हैं इसलिए उनके क्रमशः रविवार और बुधवार दिन महाऋषियों ने सुनिश्चित किए हैं। रविवार को एक जटा वाला पानी का एक नारियल जल में प्रवाहित करें, इससे आपके ऊपर से राहु द्वारा जनित कष्ट दूर होगा। केतु के शुभ फल-प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन तांबे के कुछ चौकोर टुकड़े काट कर जल में प्रवाहित करें तथा कुत्ते को अपने खाने के अंश में से कुछ न कुछ खिलाएं।

नौ ग्रहों की शान्ति स्वरुप किए गए यह उपाय फल अवश्य देते हैं। यदि न्यूनता दिखाई दे तो जैसा कि पूर्व में लिखा है, उस दिन से संबन्धित ग्रह का उपाय 40 से 43 दिन तक प्रतिदिन करते रहें।

लाल किताब के अनुसार सूर्य के देवता विष्णु जी, चन्द्र के देवता शिव जी, बुध के देवता दुर्गा जी, बृहस्पति के देवता ब्रह्मा जी, शुक्र के देवता लक्ष्मी जी, शनि के देवता शिव जी, राहु के देवता सर्प, केतु के देवता गणेश जी हैं। आपको लगता है कि किसी ग्रह के कारण आप भौतिक कष्ट भोग रहे हैं तो उस ग्रह से सम्बन्धित देवता की पूजा-अर्चना करें, प्रभु अवश्य सुख-समृद्धि तथा शान्ति प्रदान करेगें।

गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.

ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

30, सिविल लाईन्स

रूड़की 247667 (उ.ख.)

फोन : (01332) 274370

मोः 09760111555

website : www.astrotantra4u.com

E-mail:gopalraju12@yahoo.com